लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

MAVJI MAHARAJ FOUGHT AGAINST SOCIAL EVILS: LOK SABHA SPEAKER/मावजी महाराज ने समाज की कुरीतियों पर प्रहार कया: लोक सभा अध्यक्ष

…

BENESHWARDHAM IS A LAND RICH IN SPIRITUALITY AND DEVOTION: LOK SABHA SPEAKER/बेणेश्वरधाम आध्यात्मिकता, भक्ति से समृद्ध भू म: लोक सभा अध्यक्ष

…

LOK SABHA SPEAKER ADDRESSES SWARNA SHIKHAR PRATISHTHA MAHOTSAV OF SHRI HARI MANDIR BENESHWARDHAM/लोक सभा अध्यक्ष ने श्री हरि मंदिर बेणेश्वरधाम के स्वर्ण शखर प्रतिष्ठा महोत्सव को सम्बो धत कया

…

New Delhi/Beneshwar; 2 December 2022: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla addressed a gathering of devotees on the occasion of Swarna Shikhar Pratishtha Mahotsav of Shri Hari Mandir, Beneshwardham, today. On this occasion, Shri Birla described Beneshwardham as a land rich in spirituality and devotion and paid his respects to saints Maav Ji Maharaj, Shri Govind Guru Ji and Veerbala Kalibai Ji. Shri Birla also congratulated everyone on restoration of the ancient Shri Hari temple, the Swarna Shikhar Pratishtha Mahotsav and the completion of the Ati Vishnu Mahayagya. Describing Beneshwar Dham as the confluence of three holy rivers, Shri Birla mentioned that peace and prosperity can be experienced through this pilgrimage.

Referring to the ancient history of the Dham, Shri Birla said that for more than three hundred years the sermons of Sant Mavji Maharaj have been popular in the holy land of Beneshwar. Shri Birla added that the predictions of Mavji Maharaj are proving true even today.

Mentioning about India's rich democratic tradition, Shri Birla said that India is the world's oldest democracy, on the basis of which the country has seen socio-economic transformation. He added that democracy and diversity are India's biggest strengths. Describing Rajasthan as the confluence of folk culture and tradition, Shri Birla said that devotion, bravery, dedication and faith have a special place in Rajasthan. He added that Rajasthan and Rajasthanis have a unique contribution in the nation's progress.

Speaking about importance of religious-cultural programmes, Shri Birla said that such events spread the message of unity in society and spread devotion among common people. He added that spiritual, cultural and religious programmes strengthen culture, tradition and harmony.

Describing Beneshwar Dham as the main center of religious-cultural tourism of Rajasthan, Shri Birla urged that people from all over the country and the world should visit the land of bravery, sacrifice, penance and devotion to attain peace and joy. He added that expansion of tourism in Beneshwar Dham will lead to rapid development and prosperity.

नई दिल्ली/बांसवाड़ा 2 दिसंबर 2022: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज श्री हरि मंदिर बेणेश्वरधाम के स्वर्ण शखर प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर एकत्रित सभा को सम्बो धत कया। इस अवसर पर श्री बिरला ने बेणेश्वरधाम को आध्यात्मिकता, भक्ति से समृद्ध भू म बताया तथा महान संत माव जी महाराज , श्री गो वंद गुरु जी और वीरबाला कालीबाई जी को प्रणाम कया। श्री बिरला ने प्राचीन श्री हरि मन्दिर के जीर्णोद्धार कार्यक्रम, स्वर्ण शखर प्रतिष्ठा महोत्सव और अति वष्णु महायज्ञ के पूर्णाहुति पर सभी को शुभकामनाएं भी दी। उन्होंने बेणेश्वर धाम को तीन प वत्र नदियों का संगम स्थल बताते हुए वचार व्यक्त कया क इस तीर्थ के दर्शन से जीवन में शांति और समृद् ध का संचार होता है ।

धाम के प्राचीन इतिहास का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा क तीन सौ वर्षों से भी अ धक समय से बेणेश्वर की प वत्र भू म पर संत मावजी महाराज की गाथाएं प्रच लत हैं।उन्होंने आगे कहा क मावजी महाराज ने समाज की कुरीतियों पर प्रहार कया और समाज सुधार के कार्य कए। श्री बिरला ने यह भी कहा क मावजी महाराज की भ वष्यवा णयाँ आज भी सत्य सद्ध हो रही हैं।

भारत की लोकतांत्रिक धरोहर के सन्दर्भ में श्री बिरला ने कहा की भारत वश्व का प्राचीनतम लोकतंत्र है, जिसके आधार पर देश ने सामाजिक आ र्थक परिवर्तन देखा है। उन्होंने आगे कहा क लोकतंत्र और व वधता भारत की सबसे बड़ी ताक़त है। राजस्थान को लोकसंस्कृतिऔर परंपरा का अद्भुत संगम बताते हुए श्री बिरला ने कहा क राजस्थान में भक्ति, शौर्य, समर्पण और आस्था का वशेष स्थान रहा है। उन्होंने आगे कहा क देश की तरक्की में राजस्थान और राजस्थानियों का अनुपम योगदान है।

धा र्मक और सांस्कृतिक आयोजनों का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा क ऐसे आयोजनों से समाज में एकजुटता का संदेश जाता है और आमजन के बीच भक्ति भाव का प्रसार होता है। उन्होंने आगे कहा क आध्यात्मिक , सांस्कृतिक और धा र्मक कार्यक्रम संस्कृति, परंपरा और सद्भाव को सशक्त करते हैं।

बेणेश्वर धाम को राजस्थान का धा र्मक-सांस्कृतिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बताते हुए श्री बिरला ने आह्वान कया क इस शौर्य, त्याग, तपस्या और भक्ति की भू म में देश और दुनिया भर से लोग सुख शांति की प्राप्ति के लए आए। उन्होंने आगे कहा क बेणेश्वर धाम में पर्यटन के वस्तार से क्षेत्र का तीव्र वकास होगा और समृद् ध बढ़ेगी।